

प्रेषक:

डॉ० एम०सी० जोशी,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

कुलसचिव/वित्त नियंत्रक,  
मुक्त विश्वविद्यालय,  
हल्द्वानी।

शिक्षा अनुभाग-6 (उच्च शिक्षा)

देहरादून:

दिनांक:

19 अप्रैल, 2016

विषय:- वर्तमान वित्तीय वर्ष 2016-17 के लेखानुदानों के आयोजनेत्तर पक्ष (Non-Plan) में विश्वविद्यालय के वचनबद्ध मदों में वेतनादि मद में प्राविधानित धनराशि अवमुक्त किए जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-UOU/वित्त/2015-16/524/126 दिनांक 07.04.2016 का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करें।

2- इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2016-17 के लेखानुदान हेतु आयोजनेत्तर पक्ष (Non-Plan) की मानक मद-43 वेतन भत्ते आदि के लिये सहायक अनुदान में प्राविधानित धनराशि रू० 11000 हजार (रू० एक करोड़ दस लाख मात्र) की धनराशि वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-490/XXVII(1)/2016 दिनांक 31 मार्च, 2016 में दिए गए दिशा-निर्देशों एवं निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन व्यय हेतु स्वीकृत करते हुए आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (1) उक्त स्वीकृत धनराशि के देयक पर निदेशक उच्च शिक्षा हल्द्वानी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किए जाएंगे।
- (2) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय वास्तविक व्यय आवश्यकता के आधार ही किया जाएगा, तथा अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जायेगी।
- (3) विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी द्वारा उपरोक्त स्वीकृत धनराशि का आहरण तभी किया जायेगा जबकि गत वित्तीय वर्ष/वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्वीकृत धनराशि का नियमानुसार उपभोग कर लिया गया हो तथा कोई भी धनराशि अवशेष न हो। धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाएगा।
- (4) व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी ओदशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो उनमें आहरण करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- (5) व्यय करते समय मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर वित्त विभाग के निर्गत शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (6) विभिन्न मदों में व्ययभार/देयता सृजित होने पर यथाशीघ्र धनराशि आहरित कर भुगतान की जाएगी एवं कोई भुगतान अनावश्यक लम्बित नहीं रखा जाएगा क्योंकि उससे मासिक आधार पर व्यय की भ्रामक सूचना परिलक्षित होती है। इस संबंध में समस्त वित्तीय नियमों/विनियमों का भी पूर्णतः अनुपालन किया जाये।
- (7) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रियानुसार कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक सहित बजट की सीमा तक प्रपत्र बी०एम०-08 पर व्यय विवरण शासन के प्रशासकीय विभाग एवं वित्त विभाग को माह की अगली 05 तिथि तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाएगा।



(8) यह सुनिश्चित किया जाएगा कि (वित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड-5 भाग-1 के पैरा-162) समस्त आहरित अग्रिमों का समायोजन आहरण-वितरण अधिकारियों द्वारा 30 दिनों के अन्दर कर दिया जाय तथा डीटेल्ड कन्टीजेन्ट (डी0सी0) बिल महालेखाकार को भेज दिए जाय। विभिन्न अग्रिमों का आहरण अधिकारों के प्रतिनिधायन 2010 में दी गई सीमाओं के अनुसार ही किया जाय।

3- शासनादेश संख्या-490/XXVII(1)/2016 दिनांक 31.03.2016 में उल्लिखित शर्तों/प्रतिबन्धों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

4- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चूल् वित्तीय वर्ष 2016-17 की अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2202-सामान्य शिक्षा- 03 विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा-102-विश्वविद्यालयों को सहायता-आयोजनेत्तर पक्ष 07-मुक्त विश्वविद्यालय-00-43-वेतन भत्ते आदि के लिये सहायक अनुदान की सुसंगत इकाई के नामें डाला जायेगा।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,

(डॉ० एम०सी० जोशी)  
सचिव।

पु०सं०: 352/XXIV(6)/2016/42 (4)/12 तददिनांक।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, देहरादून।
2. आयुक्त, कुमाऊं मण्डल, नैनीताल।
3. जिलाधिकारी, नैनीताल।
4. कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी।
5. कोषाधिकारी, हल्द्वानी।
6. निदेशक उच्च शिक्षा, हल्द्वानी।
7. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय, उत्तराखण्ड।
8. वित्त अनुभाग-3/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
9. बजट राजकोषीय, नियोजन एवं संसाधन सचिवालय, देहरादून।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(लक्ष्मण सिंह)

संयुक्त सचिव।